पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-I

Core Course : लोक साहित्य विज्ञान

Question Pool

Paper Code : CCPPG125

संभावित प्रश्न बैंक (Question Pool)

UNIT–1 : लोक साहित्य विज्ञान - अवधारणा एवं सिद्धांत

(लोक साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा, स्वरूप एवं अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ, मौखिक परंपरा एवं सामाजिक स्मृति, लोक साहित्य एवं लोकसंस्कृति, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्त्व, आधुनिक प्रवृत्तियाँ)

A. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. लोक साहित्य किसे कहते हैं?
2. लोक शब्द का अर्थ क्या है?
3. साहित्य शब्द का अर्थ क्या है?
4. लोक साहित्य की एक परिभाषा लिखिए।
5. लोक साहित्य की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।
6. लोक साहित्य विज्ञान किसे कहते हैं?
7. लोक साहित्य का अध्ययन क्षेत्र क्या है?
8. मौखिक परंपरा किसे कहते हैं?
9. सामाजिक स्मृति किसे कहते हैं?
10. लोक साहित्य का प्रमुख माध्यम क्या है?
11. लोक साहित्य का रचयिता कौन माना जाता है?
12. लोक साहित्य की एक प्रमुख विधा का नाम लिखिए।
13. लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य में एक अंतर लिखिए।
14. लोक संस्कृति किसे कहते हैं?
15. लोक साहित्य का सामाजिक महत्त्व क्या है?
16. लोक साहित्य का सांस्कृतिक महत्त्व क्या है?
17. लोक साहित्य अध्ययन की एक प्रमुख पद्धति का नाम लिखिए।
18. लोक साहित्य का संरक्षण क्यों आवश्यक है?
19. लोक साहित्य का दस्तावेजीकरण क्या है?
20. आधुनिक लोक साहित्य अध्ययन की एक प्रवृत्ति लिखिए।
21. लोक साहित्य की प्रामाणिकता का आधार क्या है?

onlineppg.com
onlineppg.com

22. लोक साहित्य की भाषा कैसी होती है?
23. लोक साहित्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी किस माध्यम से चलता है?
24. लोक साहित्य के अध्ययन में क्षेत्रकार्य (Field Work) का क्या महत्त्व है?
25. लोक साहित्य के अध्ययन का एक उद्देश्य लिखिए।

B. लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

26. लोक साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
27. लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
28. लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।
29. लोक साहित्य विज्ञान का परिचय दीजिए।
30. लोक साहित्य के अध्ययन क्षेत्र का विवेचन कीजिए।
31. लोक साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
32. मौखिक परंपरा का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
33. सामाजिक स्मृति एवं लोक साहित्य के संबंध पर प्रकाश डालिए।
34. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के पारस्परिक संबंधों का विवेचन कीजिए।
35. लोक साहित्य के सामाजिक महत्त्व का वर्णन कीजिए।
36. लोक साहित्य के सांस्कृतिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
37. लोक साहित्य के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
38. लोक साहित्य के दस्तावेजीकरण की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।
39. आधुनिक युग में लोक साहित्य अध्ययन की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।
40. लोक साहित्य अध्ययन में क्षेत्रकार्य (Field Work) की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
41. लोक साहित्य के अध्ययन में साक्षात्कार (Interview) एवं अवलोकन (Observation) का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
42. लोक साहित्य की मौलिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
43. लोक साहित्य के विकास में समाज की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
44. लोक साहित्य के अध्ययन की समकालीन प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
45. पंचपरगनिया लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

C. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (15 अंक)

46. लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताओं का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

onlineppg.com

47. लोक साहित्य विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र, उद्देश्य एवं प्रमुख पद्धतियों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
48. मौखिक परंपरा एवं सामाजिक स्मृति के संदर्भ में लोक साहित्य की संरचना एवं विकास का विवेचन कीजिए।
49. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के पारस्परिक संबंधों का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।
50. लोक साहित्य के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
51. लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
52. लोक साहित्य अध्ययन की पारंपरिक एवं आधुनिक पद्धतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
53. लोक साहित्य के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
54. आधुनिक वैश्वीकरण एवं डिजिटल युग में लोक साहित्य की चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
55. लोक साहित्य अध्ययन में क्षेत्रकार्य, साक्षात्कार एवं सहभागी अवलोकन की भूमिका का विवेचन कीजिए।
56. लोक साहित्य की प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता के आधारों का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
57. पंचपरगनिया लोक साहित्य के स्वरूप, विशेषताओं एवं सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
58. लोक साहित्य को सामाजिक इतिहास का दर्पण क्यों कहा जाता है? विवेचना कीजिए।
59. लोक साहित्य के अध्ययन में अंतर्विषयी दृष्टिकोण की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।
60. समकालीन संदर्भ में लोक साहित्य की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

UNIT–2 : **लोकमानस, लोकसंस्कृति एवं लोकविश्वास**

(लोकमानस का स्वरूप, लोकसंस्कृति और लोकपरंपरा, लोकविश्वास, लोकाचार एवं रीति-रिवाज, लोकजीवन एवं लोकआस्था, लोक साहित्य और मानव जीवन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना)

A. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

onlineppg.com
onlineppg.com

1. लोकमानस किसे कहते हैं?
2. लोकसंस्कृति किसे कहते हैं?
3. लोकपरंपरा का अर्थ क्या है?
4. लोकविश्वास किसे कहते हैं?
5. लोकाचार किसे कहते हैं?
6. रीति-रिवाज किसे कहते हैं?
7. लोकआस्था का क्या अर्थ है?
8. लोकजीवन किसे कहते हैं?
9. सांस्कृतिक चेतना किसे कहते हैं?
10. सामाजिक चेतना किसे कहते हैं?
11. लोकसंस्कृति का एक प्रमुख आधार लिखिए।
12. लोकविश्वास का एक उदाहरण दीजिए।
13. लोकपरंपरा का प्रमुख माध्यम क्या है?
14. लोकाचार का समाज में क्या महत्त्व है?
15. लोकसंस्कृति का एक प्रमुख घटक लिखिए।
16. लोकजीवन और लोकसाहित्य का क्या संबंध है?
17. लोकविश्वास पीढ़ी-दर-पीढ़ी कैसे चलता है?
18. लोकआस्था का एक उदाहरण दीजिए।
19. लोकसंस्कृति के संरक्षण का एक उपाय लिखिए।
20. पंचपरगनिया लोकसंस्कृति का एक प्रमुख पर्व लिखिए।
21. लोकमानस की एक विशेषता लिखिए।
22. लोकपरंपरा का एक सामाजिक कार्य लिखिए।
23. लोकविश्वास का धर्म से क्या संबंध है?
24. लोकसंस्कृति का भाषा से क्या संबंध है?
25. लोकमानस के अध्ययन का एक महत्त्व लिखिए।

B. लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

26. लोकमानस की परिभाषा एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
27. लोकसंस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
28. लोकपरंपरा का सामाजिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
29. लोकविश्वास एवं अंधविश्वास में अंतर स्पष्ट कीजिए।
30. लोकाचार एवं रीति-रिवाज का परिचय दीजिए।
31. लोकजीवन एवं लोकआस्था के संबंध पर प्रकाश डालिए।
32. लोक साहित्य एवं लोकमानस का संबंध स्पष्ट कीजिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

33. लोकसंस्कृति एवं सामाजिक जीवन का विवेचन कीजिए।
34. पंचपरगनिया लोकसंस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
35. लोकविश्वासों का सांस्कृतिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
36. लोकसंस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
37. लोकजीवन में पर्व-त्योहारों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
38. लोकाचार एवं सामाजिक व्यवस्था के संबंध का विवेचन कीजिए।
39. लोकसाहित्य में सामाजिक चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
40. लोकसाहित्य में सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति स्पष्ट कीजिए।
41. पंचपरगनिया लोकविश्वासों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
42. लोकपरंपरा के निर्माण में परिवार एवं समाज की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
43. लोकसंस्कृति एवं आधुनिकता के संबंध पर टिप्पणी लिखिए।
44. लोकमानस के निर्माण में लोकसाहित्य की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
45. पंचपरगनिया लोकजीवन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

C. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (15 अंक)

46. लोकमानस की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके निर्माण में लोकसाहित्य की भूमिका का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
47. लोकसंस्कृति, लोकपरंपरा एवं लोकविश्वास के पारस्परिक संबंधों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
48. लोकाचार एवं रीति-रिवाजों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
49. लोकजीवन, लोकआस्था एवं लोकविश्वासों का मानव जीवन पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।
50. लोकसाहित्य को सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना का वाहक सिद्ध कीजिए।
51. पंचपरगनिया लोकसंस्कृति की प्रमुख विशेषताओं एवं सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
52. पंचपरगनिया लोकविश्वासों एवं लोकपरंपराओं का सांस्कृतिक अध्ययन कीजिए।
53. आधुनिकता एवं वैश्वीकरण के संदर्भ में लोकसंस्कृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
54. लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में शिक्षा, समाज एवं साहित्यकारों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।
55. लोकमानस एवं लोकजीवन के निर्माण में लोकगीत, लोककथा एवं लोकगाथा के योगदान का विवेचन कीजिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

56. पंचपरगनिया के पर्व-त्योहारों एवं लोकाचार का सांस्कृतिक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
57. लोकविश्वास एवं धार्मिक आस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए तथा उनके सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।
58. लोकसंस्कृति के अध्ययन में समाजशास्त्रीय एवं मानवशास्त्रीय दृष्टिकोणों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
59. पंचपरगनिया लोकजीवन एवं लोकसंस्कृति में सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक पहचान का विश्लेषण कीजिए।
60. समकालीन संदर्भ में लोकमानस एवं लोकसंस्कृति की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

UNIT–3 : लोक साहित्य का अंतर्विषयी अध्ययन

(लोक साहित्य और इतिहास, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, मनोविज्ञान, धर्म-दर्शन तथा लोक साहित्य अध्ययन की आधुनिक दृष्टियाँ)

A. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. अंतर्विषयी अध्ययन किसे कहते हैं?
2. लोक साहित्य का इतिहास से क्या संबंध है?
3. समाजशास्त्र किसका अध्ययन करता है?
4. मानवशास्त्र किसे कहते हैं?
5. मनोविज्ञान किसका अध्ययन करता है?
6. धर्म-दर्शन से क्या अभिप्राय है?
7. लोक साहित्य सामाजिक इतिहास का दर्पण क्यों कहलाता है?
8. लोक साहित्य के अध्ययन में इतिहास का क्या महत्त्व है?
9. लोक साहित्य के अध्ययन में समाजशास्त्र का क्या महत्त्व है?
10. लोक साहित्य के अध्ययन में मानवशास्त्र का क्या महत्त्व है?
11. लोक साहित्य के अध्ययन में मनोविज्ञान का क्या महत्त्व है?
12. लोक साहित्य के अध्ययन में धर्म का क्या महत्त्व है?
13. लोक साहित्य के अध्ययन में दर्शन का क्या महत्त्व है?
14. सांस्कृतिक अध्ययन क्या है?
15. लोक साहित्य अध्ययन की आधुनिक दृष्टि क्या है?
16. अंतःविषयक अनुसंधान (Interdisciplinary Research) क्या है?
17. लोक साहित्य किस प्रकार संस्कृति का संरक्षण करता है?
18. लोक साहित्य समाज का कौन-सा पक्ष प्रतिबिंबित करता है?

onlineppg.com
onlineppg.com

19. आधुनिक लोकसाहित्य अध्ययन की एक प्रवृत्ति लिखिए।
20. लोक साहित्य के अध्ययन में क्षेत्रकार्य का क्या महत्त्व है?
21. लोक साहित्य में सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन किस विषय से जुड़ा है?
22. लोक साहित्य में सांस्कृतिक परिवर्तन का अध्ययन किस विषय से जुड़ा है?
23. लोक साहित्य के अध्ययन का एक आधुनिक उपकरण लिखिए।
24. लोक साहित्य के अंतर्विषयी अध्ययन का एक लाभ लिखिए।
25. लोक साहित्य अध्ययन में तुलनात्मक दृष्टिकोण का क्या महत्त्व है?

B. लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

26. लोक साहित्य के अंतर्विषयी अध्ययन की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
27. लोक साहित्य एवं इतिहास के संबंध का विवेचन कीजिए।
28. लोक साहित्य एवं समाजशास्त्र के संबंध पर प्रकाश डालिए।
29. लोक साहित्य एवं मानवशास्त्र के संबंध स्पष्ट कीजिए।
30. लोक साहित्य एवं मनोविज्ञान के संबंध का वर्णन कीजिए।
31. लोक साहित्य एवं धर्म-दर्शन के संबंध का विवेचन कीजिए।
32. लोक साहित्य के अध्ययन में सांस्कृतिक दृष्टिकोण का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
33. लोक साहित्य अध्ययन की आधुनिक प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।
34. लोक साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक पद्धति का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
35. लोक साहित्य के अध्ययन में क्षेत्रकार्य एवं साक्षात्कार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
36. लोक साहित्य सामाजिक इतिहास का दर्पण कैसे है? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
37. पंचपरगनिया लोक साहित्य के अध्ययन में मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
38. लोक साहित्य के अध्ययन में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
39. लोक साहित्य के अध्ययन में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
40. लोक साहित्य अध्ययन की समकालीन चुनौतियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
41. लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक पहचान के संबंध को स्पष्ट कीजिए।
42. लोक साहित्य के अध्ययन में अंतःविषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।
43. लोक साहित्य एवं सामाजिक परिवर्तन के संबंध पर प्रकाश डालिए।
44. लोक साहित्य अध्ययन में आधुनिक तकनीक की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
45. पंचपरगनिया लोक साहित्य के अंतर्विषयी अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

C. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (15 अंक)

onlineppg.com
onlineppg.com

46. लोक साहित्य के अंतर्विषयी अध्ययन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इतिहास, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र एवं मनोविज्ञान से उसके संबंधों का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।
47. लोक साहित्य एवं इतिहास के पारस्परिक संबंधों का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।
48. लोक साहित्य के अध्ययन में समाजशास्त्रीय एवं मानवशास्त्रीय दृष्टिकोणों की उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिए।
49. लोक साहित्य एवं मनोविज्ञान के संबंधों का विश्लेषण करते हुए लोकमानस की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
50. लोक साहित्य एवं धर्म-दर्शन के अंतर्संबंधों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
51. लोक साहित्य के अध्ययन की पारंपरिक एवं आधुनिक दृष्टियों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
52. लोक साहित्य को सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास का विश्वसनीय स्रोत सिद्ध कीजिए।
53. पंचपरगनिया लोक साहित्य के अध्ययन में अंतर्विषयी दृष्टिकोण की आवश्यकता एवं उपयोगिता का विवेचन कीजिए।
54. लोक साहित्य के अध्ययन में क्षेत्रकार्य, साक्षात्कार, सहभागी अवलोकन एवं तुलनात्मक अध्ययन की भूमिका का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
55. वैश्वीकरण एवं डिजिटल युग में लोक साहित्य अध्ययन की नई प्रवृत्तियों एवं चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।
56. लोक साहित्य के अध्ययन में आधुनिक शोध पद्धतियों की उपयोगिता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
57. लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक पहचान के अंतर्संबंधों का विवेचन कीजिए।
58. पंचपरगनिया लोक साहित्य के अध्ययन में समाजशास्त्र, मानवशास्त्र एवं इतिहास की संयुक्त भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
59. लोक साहित्य अध्ययन में अंतर्विषयी दृष्टिकोण की सीमाएँ एवं संभावनाएँ स्पष्ट कीजिए।
60. समकालीन संदर्भ में लोक साहित्य के अंतर्विषयी अध्ययन की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

UNIT–4 : **लोक साहित्य की प्रमुख विधाएँ**

(लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य एवं अन्य लोक साहित्यिक विधाएँ : स्वरूप, विशेषताएँ, वर्गीकरण, महत्त्व एवं सांस्कृतिक योगदान)

onlineppg.com

A. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. लोकगीत किसे कहते हैं?
2. लोककथा किसे कहते हैं?
3. लोकगाथा किसे कहते हैं?
4. लोकनाट्य किसे कहते हैं?
5. लोकनृत्य किसे कहते हैं?
6. संस्कार गीत किसे कहते हैं?
7. श्रमगीत किसे कहते हैं?
8. ऋतुगीत किसे कहते हैं?
9. पर्वगीत किसे कहते हैं?
10. वीरगाथा किसे कहते हैं?
11. धार्मिक लोकगीत किसे कहते हैं?
12. प्रेमगीत किसे कहते हैं?
13. लोककथा की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।
14. लोकगाथा की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।
15. लोकनाट्य का एक उदाहरण लिखिए।
16. लोकनृत्य का एक उदाहरण लिखिए।
17. लोकगीत का प्रमुख माध्यम क्या है?
18. लोककथा का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
19. लोकगाथा का मुख्य विषय क्या होता है?
20. लोकनाट्य का सामाजिक महत्त्व क्या है?
21. लोकनृत्य किस अवसर पर प्रस्तुत किया जाता है?
22. लोकगीतों का एक सांस्कृतिक कार्य लिखिए।
23. पंचपरगनिया का एक प्रमुख लोकगीत लिखिए।
24. पंचपरगनिया की एक प्रमुख लोककथा का नाम लिखिए।
25. लोक साहित्य की सबसे प्राचीन विधा कौन-सी मानी जाती है?

B. लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

26. लोकगीत की परिभाषा एवं प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
27. लोकगीतों का वर्गीकरण कीजिए।
28. पंचपरगनिया लोकगीतों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
29. लोककथा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
30. लोककथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

31. पंचपरगनिया लोककथाओं का परिचय दीजिए।
32. लोकगाथा का स्वरूप एवं विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
33. लोकगाथा एवं लोककथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।
34. लोकनाट्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
35. लोकनृत्य का सांस्कृतिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
36. संस्कार गीतों का परिचय दीजिए।
37. पर्वगीतों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
38. श्रमगीतों का सामाजिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
39. धार्मिक लोकगीतों का परिचय दीजिए।
40. वीरगाथाओं का ऐतिहासिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
41. पंचपरगनिया लोकनृत्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
42. पंचपरगनिया लोकनाट्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
43. लोकगीत एवं लोकनृत्य के संबंध पर प्रकाश डालिए।
44. लोककथा एवं लोकविश्वास के संबंध स्पष्ट कीजिए।
45. लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

C. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (15 अंक)

46. लोकगीत का स्वरूप, वर्गीकरण एवं सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
47. पंचपरगनिया लोकगीतों का भाषिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
48. लोककथा की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन करते हुए उसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।
49. पंचपरगनिया लोककथाओं का आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
50. लोकगाथा का स्वरूप, विकास एवं साहित्यिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
51. लोकनाट्य एवं लोकनृत्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए उनके सांस्कृतिक योगदान का मूल्यांकन कीजिए।
52. संस्कार गीत, श्रमगीत एवं पर्वगीत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
53. पंचपरगनिया लोकगीतों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना का विश्लेषण कीजिए।
54. पंचपरगनिया लोककथाओं में लोकजीवन, लोकविश्वास एवं लोकसंस्कृति का अध्ययन कीजिए।
55. पंचपरगनिया लोकगाथाओं का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक मूल्यांकन कीजिए।
56. पंचपरगनिया लोकनृत्य एवं लोकनाट्य की वर्तमान स्थिति एवं संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
57. लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

58. लोकगीत, लोककथा एवं लोकगाथा को सांस्कृतिक विरासत के रूप में सिद्ध कीजिए।
59. आधुनिक समय में लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण की आवश्यकता का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
60. पंचपरगनिया लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

UNIT–5 : प्रकीर्ण लोक साहित्य एवं समकालीन संदर्भ

(लोकोक्ति, मुहावरे, पहेलियाँ, बालगीत, खेलगीत, लोरियाँ, मंत्र, टोटके, लोकज्ञान, लोकचिकित्सा, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण, वैश्वीकरण एवं समकालीन चुनौतियाँ)

A. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. प्रकीर्ण लोक साहित्य किसे कहते हैं?
2. लोकोक्ति किसे कहते हैं?
3. मुहावरा किसे कहते हैं?
4. पहेली किसे कहते हैं?
5. बालगीत किसे कहते हैं?
6. खेलगीत किसे कहते हैं?
7. लोरी किसे कहते हैं?
8. लोकमंत्र किसे कहते हैं?
9. टोटका किसे कहते हैं?
10. लोकज्ञान किसे कहते हैं?
11. लोकचिकित्सा किसे कहते हैं?
12. लोकज्ञान का एक स्रोत लिखिए।
13. लोकचिकित्सा का एक आधार लिखिए।
14. लोकोक्ति एवं मुहावरे में एक अंतर लिखिए।
15. पहेलियों का एक उद्देश्य लिखिए।
16. लोरियों का सामाजिक महत्त्व क्या है?
17. बालगीतों का एक कार्य लिखिए।
18. दस्तावेजीकरण किसे कहते हैं?
19. डिजिटलीकरण से क्या अभिप्राय है?
20. वैश्वीकरण किसे कहते हैं?
21. लोक साहित्य संरक्षण का एक उपाय लिखिए।
22. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) किसे कहते हैं?
23. लोक साहित्य के डिजिटलीकरण का एक लाभ लिखिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

24. लोक साहित्य के संरक्षण में संग्रहालय की भूमिका क्या है?
25. लोक साहित्य के संरक्षण में अभिलेखीकरण (Archiving) का क्या महत्त्व है?

B. लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

26. प्रकीर्ण लोक साहित्य का परिचय दीजिए।
27. लोकोक्ति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
28. मुहावरों का भाषिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
29. पहेलियों की विशेषताओं एवं उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
30. बालगीत एवं खेलगीत का परिचय दीजिए।
31. लोरियों के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
32. लोकमंत्र एवं टोटकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
33. लोकज्ञान एवं लोकचिकित्सा की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
34. लोक साहित्य के दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
35. लोक साहित्य के डिजिटलीकरण के प्रमुख लाभ एवं चुनौतियाँ लिखिए।
36. वैश्वीकरण का लोक साहित्य पर प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
37. लोक साहित्य के संरक्षण में शिक्षा की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
38. लोक साहित्य के संरक्षण में संग्रहालय, पुस्तकालय एवं अभिलेखागार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
39. लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक विरासत के संबंध पर प्रकाश डालिए।
40. लोक साहित्य के संरक्षण में जनसंचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
41. लोक साहित्य के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
42. लोक साहित्य के अध्ययन में डिजिटल अभिलेखीकरण का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
43. समकालीन समाज में प्रकीर्ण लोक साहित्य की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
44. लोक साहित्य संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर टिप्पणी लिखिए।
45. लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन (Cultural Tourism) के संबंध पर प्रकाश डालिए।

C. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (15 अंक)

46. प्रकीर्ण लोक साहित्य का स्वरूप, वर्गीकरण एवं सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
47. लोकोक्ति, मुहावरा एवं पहेली का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए तथा उनकी सामाजिक उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
48. बालगीत, खेलगीत एवं लोरियों के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।
49. लोकमंत्र, टोटके, लोकज्ञान एवं लोकचिकित्सा का लोकजीवन में स्थान एवं महत्त्व का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

onlineppg.com
onlineppg.com

50. लोक साहित्य के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण की आवश्यकता एवं चुनौतियों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
51. वैश्वीकरण एवं आधुनिकीकरण के संदर्भ में लोक साहित्य के समक्ष उपस्थित चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
52. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में लोक साहित्य के संरक्षण की आवश्यकता का मूल्यांकन कीजिए।
53. लोक साहित्य के संरक्षण में शिक्षा, समाज, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं सरकार की भूमिका का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
54. डिजिटल युग में लोक साहित्य के संरक्षण एवं प्रसार में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका का विवेचन कीजिए।
55. सोशल मीडिया, इंटरनेट एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के युग में लोक साहित्य की नई संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
56. लोक साहित्य के अध्ययन में अभिलेखीकरण, संग्रहालय एवं डिजिटल रिपॉजिटरी की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
57. लोक साहित्य को सांस्कृतिक पहचान एवं सामाजिक स्मृति के संवाहक के रूप में सिद्ध कीजिए।
58. लोक साहित्य के संरक्षण में युवाओं, शोधार्थियों एवं शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
59. समकालीन संदर्भ में लोक साहित्य के पुनर्जीवन (Revitalization) की आवश्यकता एवं उपायों का विवेचन कीजिए।
60. लोक साहित्य के संरक्षण के लिए एक समग्र कार्ययोजना (Action Plan) प्रस्तुत कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

onlineppg.com
onlineppg.com